सूचना तथा प्रसारण मन्त्रालय और संचार विभाग में राज्य मन्त्री (श्री शेर सिंह) : (क) 20-11-1970 को जम्मू तथा कश्मीर में 96 डाक-घर हैं, जिनमें से 110 में तार सुविधाएं मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त श्रीनगर और जम्मू में दो केन्द्रीय तार-घर भी हैं।

(ख) 20-11-1970 को जम्मू तथा कश्मीर राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में डाक-घरों की सख्या 888 और शहरी क्षेत्रो में 72 है। इनमें से ग्रामीण क्षेत्रों में 69 और शहरी क्षेत्रों में 41 डाक-घरों में तार सुविधाएं मौजूद हैं।

चौथी योजना की अवधि में मध्य प्रदेश में कृषि विकास पर व्यय

2500. **श्री गं० च० दीक्षित** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि चौथी पचवर्षीय योजना में मध्य प्रदेश के लिये प्रस्तावित कुल नियतन में से कृषि विकास पर कितनी धनराशि व्यय करने का विचार है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकार मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री अन्नासाहेब शिन्दे) : चौथी पंच वर्षीय योजना में मध्य प्रदेश के लिये निर्धारित किये गये कुल 393 करोड़ रुपये की राशि में से कृषि विकास के लिए इस समय 81.50 करोड़ रुपये और सहकारिता, सामुदायिक विकास तथा पचायतो के सम्बद्ध क्षेत्रों के लिये 20.75 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है।

1970-71 में मध्य प्रदेश को गेहूं की सप्लाई

2501. **श्री गं० च० दीक्षित** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि 1970-71 में मध्य प्रदेश को गेहूं की सप्लाई में कितनी वृद्धि किये जाने का अनुमान है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री अन्नासाहेब शिन्दे) : राज्यों को मासिक आधार पर गेहूं सप्लाई किया जाता है। जनवरी से अक्तूबर 1970 तक मध्य प्रदेश को केन्द्रीय स्टाक से 118.7 हजार मीटरी टन गेहूं सप्लाई किया गया है। 1969 की उसी अवधि में मध्य प्रदेश को 47.3 हजार मीटरी टन गेहूं सप्लाई किया गया था। जहां तक भविष्य में गेहूं सप्लाई करने का सम्बन्ध है, सप्लाई की मात्रा, राज्य में चल रही सामान्य खाद्य स्थिति जिस पर मध्य प्रदेश की सप्लाई के लिए मांग आधारित होगी, केन्द्रीय पूल में गेहूं की उपलब्धि तथा अन्य कमी वाले राज्यों की आवश्यकताओं पर निर्भर करेगी ?

इंजीनियरों की कमी के कारण मध्य प्रदेश का टेलीफोन एक्सचेंज पूर्ण होने में विलम्ब होना

2502. **श्री गं० च० दीक्षित** : क्या **सूचना तथा प्रसारण और संचार** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में इंजीनियरों की कमी के कारण वहां टेलीफोन एक्सचेंजों में कार्य तेजी से नहीं हो रहा है; और

(ख) यदि हां, तो इंजीनियरों की संख्या नहीं बढ़ाने, और वहां टेलीफोन एक्सचेंजों का और अधिक तेजी से विस्तार नहीं करने के क्या कारण हैं ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मन्त्री (श्री शेर सिंह) : (क) मध्य प्रदेश सर्कल में इंजीनियरों की कोई कमी नहीं है। ऐसा अनुमान है कि यह प्रश्न नये टेलीफोन एक्सचेंज लगाने और मौजूदा एक्सचेंजो के विस्तार के सम्बन्ध में है। यह कार्य यथा-शीघ्र तेजी के साथ किया जा रहा है, बशर्तेकि इसके लिए सामग्री उपलब्ध हो।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।